Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

28

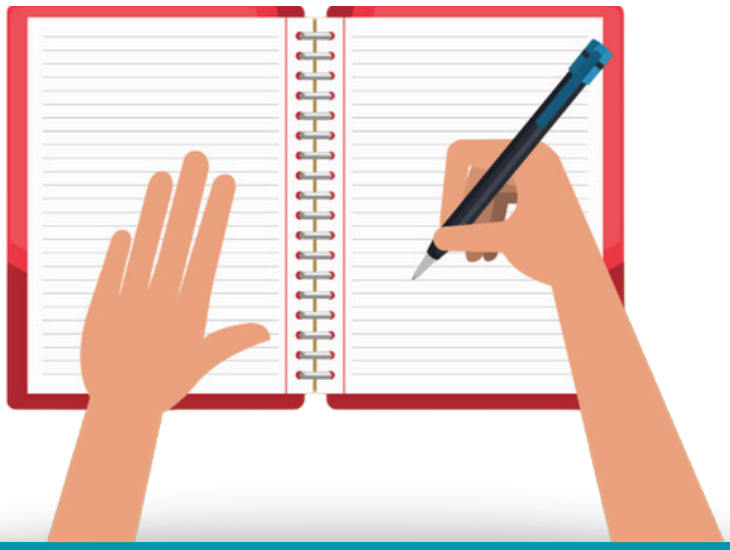

28|Dec|24

अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएँ

चर्चा में क्यों ?

अंतरराष्ट्रीय महामारी-तैयारी दिवस हरसाल 27 दिसंबर को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महामारी से निपटने की तैयारियों के महत्व को उजागर करना और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

* इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना और भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहना है।

2020 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस की शुरुआत COVID-19 महामारी के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए की थी।

यह दिन महामारी की रोकथाम, तत्परता और प्रभावी प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर देता है और वैश्विक सहयोग को प्रेरित करता है।

महामारी तैयारी दिवस सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और आम लोगों को जागरूक और एकजुट करने का प्रयास करता है।

- भारत में सर्जरी की लागत अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की तुलना में लगभग 10 वें हिस्से के बराबर है।
- कम लागत के कारण भारत में मेडीकल ट्यूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है और यह वैश्विक चिकित्सा अनुसंधान का केन्द्र बनता जा रहा है।

2020 में भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार $5-6 बिलियन था।
जो 2026 तक $13 बिलियन तक पँहुचने की संभावना है।

भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र 2025 तक $50 बिलियन तक पँहुचने की संभावना है।

आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने के लिए 156 देशों के नागरिकों को ई-मेडिकल वीजा सुविधा दी जा रही है।

भारत का सर्जिकल रोबोटिक्स बाजार 2025 तक $350 मिलियन तक पँहुचने की उम्मीद है।

प्रमुख चुनौतियां

- अपर्याप्त अवसंरचना
- प्रशिक्षित जनशक्ति की कमी
- जनसंख्या घनत्व और विविधता
- उच्च निजी खर्च
- बीमारियों का बढ़ता बोझ
- डायग्नोस्टिक सेवाओं की कमी
- सार्वजनिक निजी साझेदारी के मुद्दे
- सार्वजनिक खर्च में वृद्धि
- अवसंरचना का विकास

Result Mitra

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की वृद्धि के लिए सरकार के कदम

- 2020 में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM)
- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (2018)
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017
- स्वास्थ्य और कल्याण केन्द्र (HWCs)
- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY)
- अनुसंधान और विकास पहल
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019
- जन औषधि योजना

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस

1. भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा

भारत का स्वास्थ्य ढांचा तीन स्तरों पर काम करता है:

प्राथमिक स्तर (Primary Care): ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र (Sub-Centres), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHCs)।

माध्यमिक स्तर (Secondary Care): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHCs), जिला अस्पताल।

तृतीयक स्तर (Tertiary Care): मेडिकल कॉलेज अस्पताल, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल।

2. महामारी की तैयारी में भारत की प्रगति

(a) निगरानी और पहचान प्रणाली:

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP):

बीमारियों का डाटा संग्रहण और विश्लेषण।

COVID-19 महामारी में Arogya Setu ऐप और Cowin प्लेटफॉर्म जैसी डिजिटल पहलें।

(b) वैक्सीन उत्पादन और अनुसंधान:

भारत को "वैक्सीन हब" कहा जाता है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक ने वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की आपूर्ति की।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM): टीकाकरण कार्यक्रमों में तेजी।

(c) स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण:

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM):

सभी नागरिकों के लिए डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड।

ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म: टेलीमेडिसिन सेवा।

(d) आपातकालीन तैयारियाँ:

PM-ABHIM (प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन):

महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र (Health Emergency Operation Centers):

आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया।

3. महामारी तैयारी में भारत की चुनौतियाँ

(a) स्वास्थ्य क्षेत्र का कम बजट

(b) मानव संसाधन की कमी

(c) शहरी-ग्रामीण असमानता

(d) स्वास्थ्य जागरूकता

सरदार उधम सिंह

चर्चा में क्यों?

सरदार उधम सिंह की 125वीं जयंती पर पाकिस्तान के लाहौर में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

- उधम सिंह ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिए 1940 में जनरल माइकल ओ डायर की हत्या की।
- उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी थे जो गदर पार्टी और HSRA से जुड़े थे।
- उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्होंने राम मोहम्मद सिंह आजाद नाम अपनाते हुए भारतीय धर्मों और स्वतंत्रता संग्राम की भावना का प्रतिनिधित्व किया।
- 1940 में हत्या के आरोप में फांसी
- जन्म - 26 दिसंबर 1899 (पंजाब)
- उनकी शहादत भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जाती है।
- उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि अगर मन में देशप्रेम और न्याय की भावना हो तो किसी भी बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए।

@resultmitra www.resultmitra.com

सरदार उधम सिंह का जीवन परिचय:

- पूरा नाम: उधम सिंह (जन्म का नाम शेर सिंह था, बाद में सिख धर्म अपनाने के बाद उधम सिंह बने)।
- जन्म: 26 दिसंबर 1899, सुनाम, पंजाब, ब्रिटिश भारत।
- मृत्यु: 31 जुलाई 1940 (फांसी), पेंटनविले जेल, लंदन।
- परिवार: बचपन में माता-पिता का निधन हो गया। उनका पालन-पोषण अमृतसर के एक अनाथालय में हुआ।

माइकल ओ'डायर की हत्या:

- माइकल ओ'डायर पंजाब का तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर था, जिसने जलियांवाला बाग नरसंहार के दौरान जनरल डायर का समर्थन किया था।
- 13 मार्च 1940 को, उधम सिंह ने कैक्सटन हॉल, लंदन में माइकल ओ'डायर की गोली मारकर हत्या कर दी।
- इस घटना के माध्यम से उन्होंने जलियांवाला बाग के शहीदों का बदला लिया और ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ अपनी क्रांति का संदेश दिया।

Result Mitra

हिंद महासागर सुनामी के 20 वर्ष

हाल ही में 26 दिसम्बर 2024 को 2004 के हिंद महासागर भूकंप और सुनामी की 20वीं वर्षगांठ मनाई गई।

उत्पत्ति और कारण

भूकंप की तीव्रता 9.1 थी। जिससे यह सन् 1900 के बाद से विश्व स्तर पर दर्ज किया गया तीसरा सबसे बड़ा भूकंप बन गया।

- भूकंप की उत्पत्ति सुंडा ट्रेंच से हुई।
- इसने दक्षिण में सुमात्रा से लेकर उत्तर में कोको द्वीप समूह तक 1300 किमी. के क्षेत्र को प्रभावित किया।
- भूकंप के झटके इंडोनेशिया, बांग्लादेश, भारत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड में महसूस किये गए।
- कार निकोबार में भारतीय वायुसेना का बेस पूरी तरह नष्ट हो गया। जिससे विनाश की भयावहता का पता चलता है।
- इस सुनामी से अनुमानतः 227000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। जिससे यह इतिहास की सबसे घातक सुनामी बन गई।

Result Mitra

सुनामी के बारे में

सुनामी बड़े पैमाने की लहरों की श्रृंखला है जो समुद्र के भीतर भूगर्भीय घटनाओं जैसे भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन या क्षुद्रग्रह टकराव के कारण उत्पन्न होती है।

यह शब्द जापानी भाषा के त्सु (अर्थात बंदरगाह) और नामी (अर्थात लहर) से लिया गया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) भारत की सर्वोच्च वैधानिक संस्था है जिसे 27 सितंबर 2006 को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत स्थापित किया गया था।

- इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।
- नौ अन्य सदस्य

हिंद महासागर सुनामी के २० वर्ष

भारत की तैयारियों की स्थिति (2004 के बाद से)

1. भारतीय सुनामी चेतावनी प्रणाली (Indian Tsunami Early Warning System - ITEWS):

- भारत ने 2007 में विश्वस्तरीय सुनामी चेतावनी प्रणाली विकसित की।
- प्रमुख घटक:
    - समुद्र तल सेंसर: जलस्तर की निगरानी के लिए।
    - भूकंपीय स्टेशन: तेज और सटीक भूकंप का पता लगाने के लिए।
    - इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इन्फॉर्मेशन सर्विसेज (INCOIS):हैदराबाद में स्थित यह केंद्र चेतावनी जारी करता है।

कार्यप्रणाली:

- यह प्रणाली 10-20 मिनट के भीतर सुनामी की भविष्यवाणी करने में सक्षम है।
- सूचना को तेजी से तटीय क्षेत्रों और मीडिया तक पहुंचाया जाता है।

2. आपदा प्रबंधन कानून, 2005 (Disaster Management Act, 2005):

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA): आपदाओं के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय निकाय स्थापित किया गया।
- तटीय राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA):तटीय क्षेत्रों में आपदा तैयारी को मजबूत किया गया।
- समुद्र तट विकास: तटीय क्षेत्रों में अधिक सुरक्षा उपाय लागू किए गए।

बाल्ड ईगल राष्ट्रीय पक्षी घोषित

क्रिसमस के अवसर पर राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक ऐतिहासिक कानून पर हस्ताक्षर किये, जिससे बाल्ड ईगल को आधिकारिक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया।

- हालांकि बाल्ड ईगल देश का एक स्थायी प्रतीक रहा है और 1782 से अमेरिकी महान मुहर पर दिखाई दे रहा है। जो ताकत और स्वतंत्रता का प्रतीक है।

- **विवाद** संस्थापक पितामह बेंजामिन फ्रैंकलिन ने बाल्ड ईगल का विरोध किया था। तथा इसे बुरे नैतिक चरित्र वाला पक्षी कहा था।
- राष्ट्रीय प्रतीक अधिनियम 1940 के तहत बाल्ड ईगल का शिकार या बिक्री करना प्रतिबंधित है।
- सन् 1800 के दशक में इनकी संख्या घटने लगी।
- 1995 में संरक्षण प्रयासों से इन्हें संकटग्रस्त से संकटग्रस्त स्थिति में स्थानांतरित किया गया।
- 2007 में इन्हें संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची से हटा दिया गया।
- वर्तमान में इनकी कुल संख्या लगभग 316700 है।

@resultmitra www.resultmitra.com

बाल्ड ईगल का परिचय

- **वैज्ञानिक नाम: Haliaeetus leucocephalus**
- **परिवार: Accipitridae**
- **स्थिति:**
  - **यह उत्तरी अमेरिका में पाया जाने वाला एक प्रमुख शिकारी पक्षी है।**
  - **इसका नाम "बाल्ड" (गंजा) इसके सफेद सिर की वजह से पड़ा।**

पर्यावरणीय महत्व और स्थिति

1. **आवास (Habitat):**
   - **यह पक्षी झीलों, नदियों, समुद्रों और वनों के आसपास पाया जाता है।**
   - **यह मछलियों और छोटे जानवरों का शिकार करता है।**
2. **संरक्षण स्थिति:**
   - **20वीं सदी:**
     - **बाल्ड ईगल की संख्या DDT (डाइक्लोरो-डिफेनिल-ट्राइक्लोरोएथेन) जैसे कीटनाशकों के कारण तेजी से घट गई।**
     - **1963 में इनकी संख्या घटकर केवल 417 जोड़े रह गई।**
   - **1972:अमेरिका ने DDT पर प्रतिबंध लगाया।**
   - **2007:बाल्ड ईगल को लुप्तप्राय (Endangered) प्रजातियों की सूची से हटा दिया गया।**
3. **संरक्षण प्रयास:**
   - **बाल्ड एंड गोल्डन ईगल प्रोटेक्शन एक्ट (1940):इस कानून ने बाल्ड ईगल के शिकार, कैद, और उनके आवासों को नष्ट करने पर रोक लगाई।**
   - **Endangered Species Act (1973): इसने बाल्ड ईगल को विशेष सुरक्षा प्रदान की।**

लद्दाख का लोसर फेस्टिवल (संस्कृति, विरासत और एकता)

- लोसर उत्सव 20 दिसंबर से 31 दिसंबर तक लेह बाजार में मनाया जा रहा है। इस पहल से लद्दाख की परंपराओं और संस्कृति को सहेजने का प्रयास का प्रयास हो रहा है।

प्रमुख बिन्दु

लोसर उत्सव तिब्बती कैलेंडर के अनुसार लद्दाख में खुशी और भाईचारे के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

- लोसर उत्सव एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि एकता मानवता और पर्यावरणीय सम्मान का प्रतीक है।
- इस उत्सव के दौरान घरों की सकारात्मक प्रार्थना और उत्साह को बढ़ावा देने के लिए मक्खन के दिये जलाए जाते हैं।
- संस्कृति अकादमी परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

लद्दाख का लोसर फेस्टिवल: संस्कृति, विरासत और एकता

अर्थ: "लोसर" का अर्थ तिब्बती भाषा में "नया वर्ष" (लो = वर्ष, सर = नया) होता है।
सम्बद्ध धर्म: बौद्ध धर्म की महायान परंपरा।
लोसर फेस्टिवल का ऐतिहासिक महत्व

1.प्राचीन परंपरा:

o लोसर का जश्न प्राचीन काल से ही तिब्बती बौद्ध संस्कृति का हिस्सा रहा है।

o इसे बुरी आत्माओं को दूर भगाने और नए साल में समृद्धि और शांति लाने के लिए मनाया जाता है।

2.मौसमी बदलाव:

o यह त्योहार कृषि आधारित समाज का प्रतिनिधित्व करता है।

o यह सर्दियों के आगमन और पराने साल को विदा करने का प्रतीक है।